Hindi Journalism (Awakening Period)
हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper -101

Unit 4 (Journalism)

Date- 19/07/2021

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- 1826 से 1884 तक हिन्दी पत्रकारिता का आरंभिक दौर था। इस दौर में विभिन्न पत्रों के द्वारा देशवासियों को प्रबुद्ध किया गया।
- हिन्दी पत्रकारिता के जनक पंडित युगलकिशोर शुक्ल द्वारा सम्पादित प्रकाशित पत्र 'उदन्त मार्तंड' हिन्दी और हिन्दवासियों का हितैषी था। इसका प्रकाशन 30 मई, 1826 को कलकत्ता से किया गया।
- उदन्त मार्तण्ड से पहले कोई भी हिन्दी समाचारपत्र नहीं निकला था। यह डेढ़ वर्ष तक ही चला।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- उदन्त मार्तण्ड के बाद दूसरा उल्लेखनीय पत्र राजा राममोहन राय द्वारा सम्पादित 'हिन्दू हेराल्ड' था। यह पत्र बंगला, फारसी, अंग्रेजी और हिन्दी में निकला। इसे **'बंगदूत'** के नाम से जाना जाता है। इसका प्रकाशन कलकत्ता से 10 मई 1829 को हुआ। यह साप्ताहिक पत्र था।
- 1845 में उत्तर प्रदेश से श्री गोविन्द नारायण थत्ते के सम्पादन में 'बनारस अखबार' निकला। इसमें देवनागरी लिपि का प्रयोग किया जाता था। इस पत्र में अरबी और फारसी शब्दों की भरमार रहती थी।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- उत्तर प्रदेश से प्रकाशित **'बनारस अखबार'** में हिन्दी की अपेक्षा उर्दू अधिक होती थी।
- बनारस अखबार के बाद कलकत्ता से 1846 को **'इण्डियन सन'** और इन्दौर से वर्ष 1848 में **'मालवा'** अखबार का प्रकाशन हुआ। यह पत्र मध्य भारत ही नहीं बल्कि वर्तमान मध्यप्रदेश के पश्चिमी हिन्दी क्षेत्र से निकलने वाला पहला पत्र था।
- 1850 में बनारस से **'सुधाकर'** पत्र प्रकाशित हुआ। यह पत्र साप्ताहिक था जो बंगला और हिन्दी दोनों भाषा में प्रकाशित होता था। इस पत्र में ज्ञान और मनोरंजन की पर्याप्त सामग्री होती थी।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- वर्ष 1852 में मुंशी सदासुखलाल के सम्पादन में आगरा से **'बुद्धिप्रकाश'** निकला। यह पत्र पत्रकारिता की दृष्टि से ही नहीं बल्कि भाषा और शैली के विकास के विचार से विशेष महत्व था। इसमें विविध विषयों जैसे कि, इतिहास, भूगोल, शिक्षा, गणित आदि पर सुंदर लेख प्रकाशित होते थे। इसी दौरान ग्वालियर से **'ग्वालियर गजट' और** आगरा से **'प्रजाहितैषी'** आदि पत्र का प्रकाशन हुआ।
- 'उदन्त मार्तण्ड' हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र था वहीं **'समाचार सुधावर्षण'** हिन्दी का प्रथम दैनिक पत्र था।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- **'समाचार सुधावर्षण'** का प्रकाशन कलकत्ता से **1854** में हुआ। इस पत्र का सम्पादन **श्यामसुन्दर सेन** करते थे जो कि बंगाली थे। इसमें सम्पादकीय टिप्पणी, लेख और महत्वपूर्ण समाचार होते थे जो हिन्दी में लिखे जाते थे। हिन्दी में लिखित सामग्री को पहले रखा जाता था और बाद में बंगला भाषा में व्यापार, समाचार, विज्ञापन आदि प्रकाशित किए जाते थे।
- स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध नेता 'अजीमुल्लाखां' ने 8 फरवरी 1857 में दिल्ली से **'पयामे आजादी'** नामक एक राष्ट्रीय अखबार निकाला। यह पत्र पहले उर्दू में निकला था परन्तु बाद में हिन्दी में निकलने लगा।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- पयामे आजादी पत्र में सरकार विरोधी सामग्री होती थी, जिसने दिल्ली की जनता में स्वतंत्रता प्रेम की आग फूंक दी थी। यह पत्र विदेशी शासन का कोपभाजन के कारण शीघ्र ही बंद हो गया। इस पत्र ने जन जागृति के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया।
- 1867 तक विदेशी शिक्षा के कारण परम्परावादी विचारधारा लुप्त हो रही थी, जिसके कारण अनेक समाज सुधारकों ने अपनी संस्थाएं कायम कीं और पत्रकारिता को एक नई दिशा प्रदान किया।

हिन्दी पत्रकारिता (उद्‌बोधन काल)

- राष्ट्रीय जागरण, स्वदेश प्रेम, मुद्रण कला का विकास और अंग्रेजी साहित्य के सम्पर्क से स्वतंत्रता आंदोलन का अंकुरण हुआ। भारतीय नेताओं ने इस समय सुधार पर बल दिया।
- भारतीय नवजागरण के अग्रदूत **भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र** ने हिन्दी पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। इस काल के जो प्रमुख पत्र हैं वे हैं—**'कविवचन सुधा'**, **'अल्मोड़ा अखबार'**, **'हिन्दी दीप्ति प्रकाश'**, **'बिहार बन्धु'**, **'सदादर्श'**, **'हिन्दी प्रदीप'**, **'भारत मिश्र'**, **'सारसुधानिधि'**, **'उचितवक्ता'**, **'ब्राह्मण'** आदि।